

सिंहासनस्थ वि. (तत्.) सिंहासन पर विराजमान, राजगद्दी पर बैठा हुआ पर्या. तख्तनसीन

सिंहासनारूढ़ वि. (तत्.) जो सिंहासन पर बैठा हुआ हो, सत्तासीन।

सिंहासनारोहण पुं. (तत्.) राजसिंहासन पर बैठना, राजसत्ता का स्वामित्व ग्रहण करना।

सिंहास्त्र पुं. (तत्.) एक पौरणिक अस्त्र।

सिंहास्य वि. (तत्.) 1. सिंह के मुख सा, सिंह जैसे मुख वाला पुं. 1. एक तरह की बड़ी मछली 2. अडूसा 3. कचनार 4. हाथों की एक मुद्रा।

सिंहास्या स्त्री. (तत्.) अडूसा।

सिंहिका स्त्री. (तत्.) एक राक्षसी जो कश्यप की पत्नी और राहु की माता थी 2. दाक्षायणी देवी की एक मूर्ति 3. वह कन्या जिसके घुटने चलते समय आपस में टकराते हों और इसलिए वह विवाह के योग्य न हो 4. कंटकारी (भटकटैया) 5. अडूसा 6. बनभंटा 6. छन्द. 'शोभन' नामक एक मात्रिक छंद।

सिंहिकेय पुं. (तत्.) 'सिंहिका राक्षसी का पुत्र, राहु।

सिंहिनी स्त्री. (तत्.) शेर की मादा/स्त्री, शेरनी।

सिंही स्त्री. (तत्.) 1. सिंह या शेर की मादा, शेरनी 2. राहु की माता, सिंहिका 3. थूहड़ 4. अडूसा 5. मुद्गपर्णी, बनमूंग 6. पीली कौड़ी 7. नरसिंघा नाम का बाजा 8. आर्या नामक छंद का एक भेद 9. नस।

सिंहेश्वरी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. पार्वती।

सिंहोड़ पुं. (देश.) सेंहुड़, थूहर।

सिंहोदरी स्त्री./वि. (तत्.) सिंह की कमर की तरह पतली कमरवाली, सुंदरी स्त्री।

सिंहोन्नता वि./स्त्री.(तत्.) जो सिंह के समान उन्नत हो पुं. वसंततिलका छंद।

सिअरा वि. (देश.) शीतल, ठंडा उदा. सिअरे बचन सूखि गए कैसे- तुलसी।

सिआना स.क्रि. (देश.) सिलाना।

सिआल पुं. (तद्.) 1. शृंगाल, गीदड़ ला.अर्थ. कायर/दुष्ट/धूर्त व्यक्ति।

सिऊँ अव्य. (देश.) 1. सहित, साथ उदा. कोइ सिऊँ हार चीर अरुझानी-जायसी 2. समीप।

सिएटो पुं. (अं.) दक्षिण-पूर्वी एशिया की सुरक्षा के उद्देश्य से स्थापित एक राजनीतिक संघटन जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, पाकिस्तान आदि राष्ट्र सम्मिलित हैं।

सिकंजबी स्त्री. (फा.) 1. नींबू के रस या सिरके में पकाया हुआ शरबत 2. मधुर पेय, जो जल में नींबू का रस और चीनी मिलाकर तैयार किया जाता है।

सिकंजा पुं. (देश.) शिकंजा।

सिकंदर पुं. (फा.) यूनान देश का एक सम्राट।

सिकटा पुं. (देश.) टूटे हुए मिट्टी के बर्तन का छोटा टुकड़ा।

सिकता स्त्री. (तत्.) बालू, रेत।

सिकता मेह पुं. (तत्.) प्रमेह का एक भेद जिसमें पेशाब के साथ रेत के से कण निकलते हैं।

सिकतिल वि. (तत्.) रेतीला।

सिकदार पुं. (तत्.) नायक, अधिपति।

सिकमार पुं. (अर.+फा.) जंगली बिल्ली की तरह का एक जंतु।

सिकली वि. (अर.) 1. भारी 2. दृढ़, मजबूत।

सिकलीगर पुं. [अ.+फा.] तलवार आदि पर सान/धार धरने वाला उदा. सतगुर ऐसा चाहिए, जस सिकली गर होइ-कवीर।

सिकसोनी स्त्री. (देश.) काकजंघा नामक वनौषधि।

सिकहर पुं. (तद्.) रस्सी की बनी एक वस्तु जिसे दही इत्यादि को सुरक्षित रखने के लिए किसी ऊँचे स्थान से टाँगा जाता है, छींका, सीका।

सिकार पुं. (फा.) शिकार।

सिकारी वि.पुं. (फा.) शिकारी।